QUESTION → What is contribution of Functionalism

Ans → प्रकार्यवाद का प्रारम्भ 1898 के लगभग Chicago University में हुआ था। इसका आरम्भ करने वाले में James, Rowland, Angell or John Dewey का नाम उल्लेखनीय है। प्रकार्यवाद का विकास संरचनावाद के प्रतिक्रिया के रूप में हुआ था। संरचना में मानसिक तत्वों व प्रक्रियाओं को वस्तु के रूप में स्वीकार किया गया है तथा एक निश्चित उद्देश्य के लिए भी होती है और निरन्तर घटित होती है प्रकार्यवाद के अनुसार मनोविज्ञान का कार्य यह जानना है कि मानसिक क्रियाएँ कैसे और क्यों होती है और उनकी उपयोगिता क्या है। उसमें यह माना जाता है कि मन और शरीर में adjustment है जिसके आधार पर मानसिक क्रियाएँ होती है John Dewey का जन्म U.S.A. में 1859 में हुआ था। ये दर्शन शास्त्र के विद्वान थे और 1884 में दर्शनशास्त्र में P.H.D. की Columbia University में कार्यरत रहते हुए 1952 में मृत हो गए। इनका कहना है कि मनोविज्ञान का अध्ययन समाज और व्यक्ति दोनों के लिए उपयोगी है मनोविज्ञान के अध्ययन के द्वारा व्यक्ति और समाज की समस्याओं को सुलझाया जा सकता है John Dewey का दृष्टिकोण फासवादी था। क्योंकि वह फासवादी दर्शन में विश्वास रखते थे। यह उल्लेखनीय है कि फासवादी दृष्टिकोण की प्रकार्यवाद का आधार है।

① Continuity mental activity → उनके अनुसार

मानसिक क्रिया निरन्तर होती रहती है और कभी भी ऐसी अवस्था नहीं आती है जबकि यह माना जाए कि एक कार्य समाप्त हो गया है और दूसरा कार्य आरम्भ हो गया जो कि धारा के समान मानसिक प्रक्रिया को प्रभावित करती रहती है और प्रत्यक्ष मानसिक क्रिया से व्यक्ति कोई न कोई इच्छा अवश्य पूरी होती है ~~बालक~~ बालक का हाथ जलना आग देखना वहाँ तक पहुँचना पथ में एक क्रिया है। यह इतना तेजी से होता है कि इसे पृथक नहीं किया जा सकता है

② Stimulus Response →

उद्दीपन और अनुक्रिया के बारे में John Dewey ने बताया है कि ये भी निरन्तर होती रहती है यह जानना असम्भव है कि कहाँ पर उद्दीपन समाप्त होता है और कहाँपर अनुक्रिया आरम्भ होती है। उनका स्वरूप प्रकार्यमूलक है तथा निरंतर घटित होते रहते हैं

③ Environment and adjustment →

जीव और उसके वातावरण Dewey ने सम्बन्ध मानते हुए बताया है कि के बीच प्रकार्यमूलक समस्त मनोवैज्ञानिक घटनाएँ वातावरण से समायोजन स्थापित करने का प्रयास मात्र है समस्त मानसिक कार्य के उद्देश्य होते हैं और इसलिए मानसिक प्रकार्यों पर बल दिया जाता है। Dewey ने बुद्धि को केवल एक मानसिक योग्यता ही नहीं माना वरन यह माना है कि बुद्धि व्यक्ति के कार्यों में व्यवस्था और निर्देशन लाने

का प्रयास करती है।

अन्त में मनोविज्ञान में Dewey के योगदान के विषय में यह कहा जाता है कि उन्होंने प्रकार्यवाद के केवल प्रारम्भिक ढाँचे पर प्रकाश डाला है और उतनी स्पष्ट व्याख्या नहीं कर पाया जितना कि Angell ने किया है।

James Rowland Angell (1867 - 1949)

Angell का योगदान →

Angell का योगदान Functionalism के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। Angell का जन्म 1867 में हुआ था। तथा उनकी शिक्षा Harvard University में हुई। वे William James के छात्र थे। मनोवैज्ञानिक विचार तथा प्रयोग में उनसे सहमत थे। उन्होंने जर्मनी में प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में काम किया। और Chicago में आकर Professor बने। यहाँ पर वे John Dewey से मिलकर प्रकार्यवाद की संभावना में उनकी मदद की

Angell ने बताया कि प्रकार्यवाद और संरचना वाद में अन्तर है। उन्होंने बताया कि प्रकार्यवाद का सम्बन्ध प्रक्रिया से है अतः यह संरचना वाद से पृथक है। जिसका सम्बन्ध content से है। प्रकार्यवाद में यह जानने के लिए अध्ययन किया जाता है कि मानसिक तत्वों की प्रक्रिया क्या है। दूसरी ओर संरचनावाद में अध्ययनकर्ता मानसिक तत्वों के विश्लेषण पर ही अपना अध्ययन केन्द्रित करता है।

संरचनावाद की यह मान्यता है कि मानसिक तत्व एक प्रकार से

निश्चित होते हैं और उनमें परिस्थिति के अनुसार अभियोजन करने की क्षमता नहीं होती दूसरी ओर प्रकार्यवाद में यह माना जाता है कि मानसिक क्रियाओं में परिस्थिति के अनुसार अभियोजन की शक्ति होती है।

प्रकार्यवाद सम्प्रदाय उपयोगिता पर बल देते हैं उनकी यह सब मान्यता है कि मनोविज्ञान का अध्ययन केवल अध्ययन के लिए न होकर उस दृष्टि से किया जाए कि उसके अध्ययन से क्या लाभ प्राप्त होगा। यूं तो मनोविज्ञान के अध्ययन का कोई न कोई उद्देश्य होता है। परन्तु प्रकार्यवाद में यह माना जाता है कि यह उद्देश्य लाभदायक हो मनोविज्ञान का अध्ययन इसलिए किया जाता है कि व्यक्ति की कुशलता में वृद्धि हो सके। Applied psychology इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि इसी के फलस्वरूप इसका तीव्र गति से विकास हुआ है यह ज्ञात हुआ है कि शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्र में मनोविज्ञान बहुत ही ज्यादा उपयोगी है

Harvey A Carr (1883-1954) →

प्रकार्यवाद का आरम्भ किया था Dewey or Angell ने परन्तु प्रकार्यवाद को प्रौढ़ता Carr के अध्यक्षता में मिली। प्रकार्यवाद में Carr के योगदान निम्नलिखित हैं

(1) Mental Activity →

उनके अनुसार मानसिक क्रिया एक ऐसा व्यवहार है, जो व्यवहार ज्ञान, स्मृति, कल्पना, चिंतन

इच्छा, शक्ति, निर्णय इत्यादि मानसिक क्रियाओं का द्योतक है। मानसिक क्रिया के स्वरूप के विषय में Carr ने लिखा है "Mental activities is concern with the acquisition fixation, Retention, organisation and evaluation of experience and their subsequent utilization in the guidance of conduct." "मानसिक क्रिया एक ऐसी क्रिया है जो ग्रहण, निश्चयीकरण, धारणा संगठन अनुभवों का मूल्यांकन और आचार्य के निर्देशन में उनकी उपयोगिता -ओं से सम्बन्ध रखता है।"

(2) Mind and body →

मानसिक शब्द से मनोवैज्ञानिक का तात्पर्य व्यवहार के वैज्ञानिक और शारीरिक दोनों पक्षों से है। मन और शरीर की व्याख्या करते हुए Carr का कहना है कि व्यवहार का अध्ययन करने के लिए मनोवैज्ञानिक शारीरिक, आधारों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक समझते हैं। Carr ने मानसिक क्रिया को समन्वयन मूलक व्यवहार (Adjustable behaviour) माना है उनके अनुसार समंजन मूलक व्यवहार में अभिप्रेरक उद्दीपन की ओर ध्यान दिया और उसकी व्याख्या की। इनके अनुसार प्रेरक एक ऐसा निरन्तर उद्दीपक है जो व्यक्ति के व्यवहार को तब तक प्रेरित किया रहता है जब तक कि अभिष्ट कार्य पूर्ण नहीं हो जाता। अतः समंजन मूलक व्यवहार तब तक

बना रहता है जब तक कि सम्बन्धीत कार्य पूर्ण नहीं हो जाता है

③ Environment (पर्यावरण) →

Carr ने पर्यावरण के बारे में बताया कि पर्यावरण की परिस्थितियाँ भी व्यक्ति को कार्य के लिए प्रेरित करती है व्यक्ति को अपने समायोजन के लिए अपने पर्यावरण में ऐसा परिवर्तन लाना पड़ता है जो उसे विशेष संतोष प्रदान कर सके। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष कार्य के लिए उद्यम करता है। तब यह कहा जा सकता है कि उसका उद्देश्य अपने पर्यावरण में वैसा परिवर्तन लाना है जो कि उसे संतोष प्रदान कर सके। Harvey व Carr पर्यावरण में प्रोढ़ता लाए तथा उसे एक पृथक् सम्प्रदाय के रूप में समकालीन मनोवैज्ञानिकों द्वारा मान्यता दिलाय।

// Columbia University में प्रकार्यवाद मनोविज्ञान की ओर भी प्रयास हुआ। जिस तरह Sikago में प्रकार्यवाद को विकसित करने वाले तीन मनोवैज्ञानिक थे। उसी तरह यहाँ भी James Cattell, Edward Thorndike or Roberts Woodworth इन तीनों ने प्रकार्यवाद मनोविज्ञान के लिए बहुत कुछ किया। Cattell ने बुद्धि और व्यक्तिगत भिन्नता पर बहुत बल दिया और अमेरिका में बुद्धि मापक परीक्षण कार्य का प्रारम्भ किया उसमें उन्होंने Statistic का प्रयोग किया और इसी आधार पर व्यक्तिगत भिन्नता को साबित किया।

Thorndike Cattell

के शिष्य थे। थे पशुओं पर बुद्धि से सम्बन्धित विषय पर अध्ययन किया तथा बालकों पर प्रशिक्षण तथा बुद्धि सम्बन्धी अध्ययन किए।

Woodworth ने dynamic psychology पर पुस्तक लिखा और अभिप्रेरणा, उद्दीपन सम्बन्धी (Motivation to stimulus) सिद्धान्तों की व्याख्या की। उनकी एक प्रसिद्ध पुस्तक कि उक्ति है कि "यंत्र स्वयं प्रेरक बन जाता है।" "The mechenism becomes a drive"।

इसका अर्थ यह है कि स्नायुमण्डल और मन के योग से जो मानसिक क्रिया होती है वह स्वयं प्रेरक का रूप धारण कर लेती है।

अतः उपर्युक्त तथ्यों को देखने के बाद यह पता चलता है कि प्रकार्यवाद का आधुनिक मनोविज्ञान में कुछ निम्नलिखित योगदान है।

(i) प्रकार्यवाद ने सम्पूर्ण व्यक्ति के अध्ययन पर बल दिया है।

(ii) प्रकार्यवाद में मन और शरीर को एक तत्व के रूप में स्वीकार किया है।

(iii) प्रकार्यवाद ने समायोजन पर बल दिया है।

(iv) प्रकार्यवाद के द्वारा बाल मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान, पशु मनोविज्ञान आदि मनोविज्ञानों का विकास हुआ तथा शिक्षण, बुद्धि एवम् व्यक्तित्व विकास में परीक्षण का विकास हुआ।